[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 5636 **L**

Unique Paper Code : 2102101201

Name of the Paper : Fundamentals of Philosophy

Name of the Course : **GE**

Semester : VI

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Attempt any **five** questions.
3. **All** questions carry equal marks.
4. Answers may be written either in English or Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
3. **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं ।
4. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

1. How does Derek Parfit answer the question regarding the existence of the universe?
डेरेक पारफ़िट ब्रह्मांड के अस्तित्व से जुड़े प्रश्न का उत्तर किस प्रकार देते हैं?

2. How does Aristotle explain the metaphysical possibility of change in his *Metaphysics*? Discuss.
अरस्तू ने अपने तत्वमीमांसा में परिवर्तन की संभावना को किस प्रकार समझाया है? चर्चा कीजिए।

3. 'Time is nothing but the form of inner sense', says Kant. Explain.
समय आंतरिक बोध का ही एक रूप है', कांट कहते हैं। व्याख्या कीजिए

4. Discuss the concepts of objectivity and truth as propounded by Davidson.
डेविडसन द्वारा प्रतिपादित वस्तुनिष्ठता और सत्य की अवधारणाओं पर चर्चा करें।

5. Is jñāna or consciousness with form or formless? Evaluate the views discussed by J.N. Mohanty.
क्या ज्ञान अथवा चेतना साकार है या निराकार? जे.एन. मोहंती द्वारा विवेचित मतों का मूल्यांकन कीजिए।

6. How does Bimal Krishna Matilal explain the perception of Self in the Indian tradition.
बिमल कृष्ण मतिलाल भारतीय परंपरा में 'स्व' की अवधारणा की व्याख्या किस प्रकार करते हैं?

7. According to Hume 'all the materials of thinking are derived either from our outward or inward sentiment.' Discuss.
ह्यूम के अनुसार, 'सोचने की समस्त सामग्री या तो हमारी बाहरी भावनाओं से प्राप्त होती है, या फिर आंतरिक भावनाओं से।' चर्चा कीजिए।

8. How the traditional concept of Justice "might is right and right is might" is different from Plato's concept of Justice.
न्याय की वह पारंपरिक अवधारणा—कि 'शक्ति ही न्याय है' और 'न्याय ही शक्ति है'—प्लेटो की न्याय-संबंधी अवधारणा से किस प्रकार भिन्न है?